वाइल्डलाईफ वीक के अंतर्गत वेटनरी यूनिवर्सिटी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के अंतर्गत वन हैल्थ एवं वाईल्डलाईफ हैल्थ के सह अस्तित्व को केंद्रित कर पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के छात्र–छात्राओं द्वारा वन्यजीव संरक्षण संबंधी विविघ कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें पोस्टर प्रजेंटेशन, वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वेटनरी कॉलेज के विभिन्न पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राओं ने बढ–चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते। कार्यक्रम के समापन समारोह में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के यशस्वी कुलपति प्रो (डॉ.) मनदीप शर्मा, जबलपुर वन मण्डल के वनमण्डलाधिकारी श्री ऋषि मिश्रा तथा डब्ल्यू.डब्ल्यू. एफ. के श्री सोमन डे. उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा ने वन्यजीव संरक्षण पर अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश की प्रचुर संपदा को साश्वत रखते हुए वन्यजीवों को स्वस्थ रखते हुए अपना उल्लेखनीय योगदान रहा। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से वन–विभाग के द्वारा आयोजित की जाने वाले कार्यों में यहाँ के वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन विशेषज्ञ अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं, जो कि बधाई के पात्र हैं। स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालिका डॉ. शोभा जावरे ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में वन्यजीव सप्ताह मनाये जाने के तारतम्य में इसकी उपयोगिता को बताया। इस अवसर पर जबलपुर वन मण्डल के वनमण्डलाधिकारी श्री ऋषि मिश्रा ने वन्यप्राणी संरक्षण पर मानवीय दृ ष्टिकोण पर प्रकाश डाला। साथ ही साथ डब्ल्यू. डब्ल्यू एफ. के क्षेत्रीय संयोजक श्री सोमन डे ने वन्यजीवों में विषाक्त दवाईयों के कु–प्रभाव पर बोलते हुए वल्चर प्रजाति के विलुप्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. निधि राजपूत एवं डॉ. देवेंद्र पोधाडे के साथ–साथ डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. काजल जादव एवं डॉ. अमोल रोकड़े का योगदान सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर